राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 26 मार्च, 1984

क्रमांक 297-ज (II) -84/8715.—मूर्वी पंजाब पृद्ध पुरुश्कार स्वितियम, 1948 (जैसी हि "से हरियाणा राज्य में अपनामा गया है और उसमें प्राज तक संसोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3 (1ए) के अनुसार सींचे गये व्यविकारी का अवीग करते हुए हरियाणा के राज्यपास, श्री राज सिंह, पुत्र श्री हीरा सिंह, गांव सेरिया, तहसील शज जर, जिला रोहतक, की खरीफ, 1974 से खरीफ़, 1979 तक 150 क्यों काविक तथा रवी, 1980 से 300 क्यों वार्षित को बृद्ध वासीर, सनद में दी गई शर्ती के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

कमांक 252-ज (11)-84/8719. —पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैस । कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंचे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री हाकम सिंह, पूज श्री शेर सिंह, गांव राजौन , तहसील वा जिला जीन्द, की रबी, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में सी गई शतों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

दिनांक 27 मार्च, 1984

कर्माक 244-ज-(I)-84/8912--श्री जोरा सिंह, पुत्र श्री याद राम, गांच लाखूबास, तहसील व जिला गुड़गांवां, की दिलांक 8 मई, 1983 को हुई मृत्यू के परिणामहरक्ष्य, हरियाणा, के राध्यताल पूर्वी पंजाब युद्ध पुस्स्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस. में श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए), (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई गिव्हार्थों का प्रयोग करते हुये श्री जोरा सिंह को मुक्लिंग 350 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधि-सूचना ऋषांक 722-ज-II-76/13155, दिनांक 4 मई, 1976, तथा अधिमूचना क्रमांक 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 ढारा मंजूर की गई थी, अध उसकी विधवा श्रीमती दरयाई के नाम खरीफ़, 1983 से 350 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई गतों के अन्तगर्त प्रयान करते हैं।

त्रमांक 334-ज-(II)-84/9002.—श्री हजारी सिंह, पुत्र श्री देव सिंह, गांव सतनासी, सहसीस व जिला महेन्द्रगढ़ की दिनांक 22 मार्च, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें भाज तक संभोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के भधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री हुखारी सिंह की मुक्लिए 300 क्यये वार्षिक की जाशीर जो उसे हरियाणा सरकार की भिष्यतूचना क्रमांक 1798-र-4-67/2530, दिनांक 27 जुलाई, 1967, अधिसूचना क्रमांक 5041-मार-[II-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-अ-I-79/44040, दिनांक 30 भक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती लोका देवी के नाम खरीक, 1983 से 300 क्यये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के भन्तगंत प्रदान करते हैं।

दिनाक 28 मार्च, 1984

कपांक 333-ज-II-84/9130. -- श्री नेकी राम, पुत की हरफूल सिंह गांव गुढ़ाण तहसील व जिला रोहतक की दिनांक 8 जनवरी, 1983 को हुई मृत्यु के परिणानस्वरूप, हरियाणा के राजपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार ग्रीधिनयम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भौर उस में भ्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री नेकी राम की मुबलिय 300 रुपये वाधिक की बगीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रीधमूचना क्रमांक 544-ज-II-81/24069, दिनांक 14 जुलाई, 1981 द्वारा मंजूर की गई थी, भव उसकी विश्वण श्रीमती मारिया के नाम खरीफ, 1983 से 300 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी की कार्तों के मन्तर्गत प्रदान करते हैं।